महत्वपूर्ण एवं खास

स्कूल शिक्षा मंत्री ने प्रदान किया अनुकंपा नियुक्ति पत्र

रायपुर (आरएनएस)। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज अपने निवास कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति से नियुक्त सहायक ग्रेड-3 को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने सभी जिलों में नवनियुक्त सहायक ग्रेड-3, सहायक शिक्षकों को शुभकामनाएं दी। मंत्री डॉ. टेकाम ने रायपुर जिले में अनुकंपा नियुक्त सहायक ग्रेड-3 शुभम मिश्रा, शिशिर कुमार, निवास राव, रजत राय को नियुक्ति पत्र प्रदान किया और उन्हें शुभकामनाएं देते हुए अच्छे लगन से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा रायपुर जिले में 50 और पूरे प्रदेश में 700 लोगों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है। मंत्री डॉ. टेकाम ने विभाग के अधिकारियों की संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा कि कम समय में पीड़ितों को राहत पहुंचाना सच्ची मानवता है।

तेलीबांधा तालाब में फिर मिली एक व्यक्ति की लाश, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर (आरएनएस)। मरीन ड्राईव तालाब में फिर एक व्यक्ति की तालाब में लाश मिली है। मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह मार्निंग वॉक पर निकले लोगों ने मरीन ड्राईव स्थित तालाब में एक व्यक्ति की तैरती हुई लाश देख सन्न रह गए। घटना की सूचना पुलिस को मिलने पर मौके पर पहुंच लाश को तालाब से बाहर निकाला है। मृतक की पहचान गीताजंलि नगर निवासी आशीष नागरिया के रुप में हुई है। युवक कल शाम 04बजे से घर से गायब था। किन कारणो के चलते उसकी मौत हुई है। फिलहाल तेलीबांधा पुलिस जांच में जुटी है। बता दे कि तेलीबांधा तालाब में एक सप्ताह में दूसरी लाश मिली है। इससे पहले सोमवार को तेलीबांधा इलाके के एक शख्स ने तालाब में कूदकर आत्महत्या कर ली थी।

वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना के शुभारंभ का कार्यक्रम स्थगित, 6 को होगा आयोजन

रायपुर (आरएनएस)। मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति अनिरुद्ध जगन्नाथ के निधन पर भारत सरकार ने शनिवार 5 जून को एक दिवसीय राजकीय शोक घोषित किया है। इस कारण कल 5 जून को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास कार्यालय में आयोजित होने वाला वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना के शुभारंभ का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। यह कार्यक्रम अब 6 जून दिन रविवार को आयोजित किया जाएगा।

सड़क पर खड़ी ट्रक से बाईक सवार टकराया, एक की मौत दो घायल

रायपुर (आरएनएस)। बिना संकेतक लगाए बीच सड़क पर खड़ी ट्रक से बाईक सवार टकराया गया। जिसके चलते एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा दो लोग घायल हो गए। मामले की रिपोर्ट विधानसभा थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार 1 जून को रात 12.30 बजे गोगांव गुढ़ियारी निवासी भूपेश अपने दो साथियों के साथ पल्सर मोटरसाइकिल से रायपुर से खरोरा जा रहा था तभी तर्रा मोड बजरंगबली मंदिर के पास जरौद -खरोरा मार्ग पर ट्रक क्रमांक सीजी 04 जेडी 9159 सड़क के बीचों-बीच खड़ी थी जिसके न तो इंडिगेटर जल रहा था और न ही कोई संकेतक लगाया गया था। जिसके चलते पल्सर सवार भूपेश कौशल 27 वर्ष पिता रामचरण कौशल टकरा गया। जिसके चलते मौके पर ही उसकी मौत हो गई तथा बाईक के पीछे बैठे गोविन्द काठले एवं राजा को चोट लगने पर उन्हें उपचार के लिए मेकाहारा अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक बीच सड़क पर ट्रक खड़ी करना तथा बिना संकेतक व एंडिकेटर जलाए जाने की वजह से हादसा होने पर ट्रक चालक के खिलाफ धारा 283,304 ए,337 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

पांच नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नारायणपुर (आरएनएस)। नक्सली संगठन की खोखली विचारधारा को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने 05 माओवादी नक्सली सदस्यों ने नारायणपुर पुलिस के समक्ष किया आत्मसमर्पण।

सुन्दरराज पी.,पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज, विनीत खन्ना, उप पुलिस महानिरीक्षक कांकेर रेंज, धर्मेष साहू, कलेक्टर नारायणपुर, मोहित गर्ग, पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, नीरज चंद्राकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला बल, छसबल, एसटीएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ द्वारा लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के कारण नक्सलियों पर बढ़ते दबाव एवं

शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर माओवादी संगठन को छोड़कर समाज के मुख्यधारा में सम्मिलित होने 05 नक्सली सदस्यों ने कलेक्टर कार्यालय नारायणपुर में कलेक्टर नारायणपुर एवं पुलिस अधीक्षक नारायणपुर के समक्ष दिनांक-05.06.2021 को बिना हथियार आत्म समर्पण किये है।

आत्मसर्पित करने वाले नक्सलियों की सक्रियता एवं कार्यक्षेत्रः-

01- महाराजी कष्यप स्व0 मिलकू राम उम्र 47 वर्ष साकिन बेचा स्कुलपारा, थाना छोटेडोंगर जिला नारायणपुर बेचा जनाताना सरकार सदस्य (कृषि शाखा):- नीति उर्फ उर्मिला डीव्हीसीएम पूर्व बस्तर डिवीजन सचिव के द्वारा वर्ष 2007 में संगठन में भर्ती किया तब से नक्सलियों की कृषि शाखा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा था।

02- जगदीष नाग पिता दसरू राम उम्र 22 वर्ष साकिन बेचा बंगलापारा, थाना छोटेडोंगर जिला नारायणपुर (बेचा पंचायत मिलिशिया सदस्य):- नीति उर्फ उर्मिला डीव्हीसीएम पूर्व बस्तर डिवीजन सचिव एवं सुरेष सलाम आमदाई घाटी एरिया कमेटी सचिव के द्वारा वर्ष 2016 में संगठन में भर्ती किया तब से नक्सलियों के लिए मिलिषिया सदस्य के रूप में कार्य कर रहा था।

03- जगनाथ नाग पिता दसरू राम उम्र 20 वर्ष साकिन बेचा बंगलापारा, थाना छोटेडोंगर जिला नारायणपुर बेचा (पंचायत मिलिशिया सदस्य):- नीति उर्फ उर्मिला डीव्हीसीएम पूर्व बस्तर डिवीजन सचिव एवं सुरेष सलाम आमदाई घाटी एरिया कमेटी सचिव के द्वारा वर्ष 2018 में संगठन में भर्ती किया तब से नक्सलियों के लिए मिलिषिया सदस्य के रूप में कार्य कर रहा था।

04- चैतराम कोर्राम पिता धौजन कोर्राम उम्र 35 वर्ष साकिन बेचा उपरपारा, थाना छोटेडोंगर जिला नारायणपुर बेचा जनाताना सरकार सदस्य (स्कुल शाखा):- नीति उर्फ उर्मिला डीव्हीसीएम पूर्व बस्तर डिवीजन सचिव द्वारा वर्ष 2007 में संगठन में भर्ती किया तब से नक्सलियों की स्कूल शाखा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा था।

05- लच्छीन नाग पिता पोहड़ा राम उम्र 25 वर्ष साकिन बेचा स्कुलपारा, थाना छोटेडोंगर जिला नारायणपुर बेचा जनाताना सरकार सदस्य (न्याय शाखा):- नीति उर्फ उर्मिला डीव्हीसीएम के द्वारा वर्ष 2016 में संगठन में भर्ती किया तब से नक्सलियों की न्याय शाखा में सक्रिय रूप में कार्य कर रहा था।

उक्त आत्मसर्पित नक्सली संगठन में कार्य करने के दौरान नक्सलियों के लिए भोजन की व्यवस्था करना, गांव मे अंजान व्यक्तियों के आने पर उनसे पूछताछ व उनकी निगरानी करना, नक्सली साहित्य एवं पोस्टर पाम्पलेट चिपकाना, ग्रामीणो को नक्सली मीटिंग में उपस्थित होने की सूचना देना, बाजारो से दैनिक उपयोग की सामग्री खरीद कर नक्सलियों तक पहुंचाना, नक्सलियों के गांव में आने पर उनको सुरक्षा देना, क्षेत्र में पुलिस आने की सूचना देना, पुलिस पार्टी की रेकी करना, नक्सलियो के अस्थायी कैम्प मे संतरी डियूटी करना, गांव के चारो ओर दिन के समय पेट्रोलिंग करने जैसे कार्य कर संगठन में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे थे। नक्सलियों की गलत नीतियों से असंतुष्ट होकर समाज की मुख्यधारा में जुडने के उद्देष्य से कलेक्टर नारायणपुर धर्मेष साहू एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के समक्ष आत्मसमर्पण किये है।

राज्यपाल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजभवन में किया पौधरोपण

रायपुर (आरएनएस)। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने आज यहां राजभवन परिसर के उद्यान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण किया। उन्होंने इस अवसर पर अमलताश, कचनार, चंदन, फाईकस और गोल्डन साईप्रस पौधे का रोपण किया। राज्यपाल ने अपने द्वारा पूर्व में रोपण किए गए पौधों का निरीक्षण किया गया और उन्हें संरक्षित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई दी। साथ ही उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी पर्यावरण का संरक्षण करें और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। इसे एक दिन के आयोजन से ही इतिश्री न करें। जब-जब अनुकुलता हो वृक्षारोपण करें और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी लें। यह देखें कि पौधा लगाने के बाद नष्ट न हों। आज कोरोना संक्रमण के समय पर्यावरण संरक्षण की अधिक जरूरत है, जिसे हम वृक्षारोपण के माध्यम से पूरी कर सकते हैं।

नीति आयोग द्वारा सतत् विकास लक्ष्य संबंधित मूल्यांकन में छत्तीसगढ़ को "परफार्मर" राज्य की श्रेणी, विकास के कई क्षेत्रों में बेहतर उपलब्धियां

रायपुर (आरएनएस)। नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा 3 जून, 2021 को कम्पोजिट एस.डी.जी. इंडिया इंडेक्स (3.0), 2020-21 जारी किया गया। इस रिपोर्ट में सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के द्वारा सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में उनके द्वारा किए गए कार्यो के परिणामों का आंकलन एक कम्पोजिट स्कोर 0-100 के मध्य किया गया।

राज्यों की रैंकिंग में जहॉ वर्ष 2019-20 में छत्तीसगढ़ का स्थान 21 वाँ था उसमें सुधार होकर अब यह 19 वें स्थान पर पहुंच गया है। इसी प्रकार राज्य का स्कोर पूर्व में जहाँ 56 था, वह अब 5 अंकों के सुधार के साथ 61 पर आ गया है। नीति आयोग के वर्गीकरण के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य को 'परफार्मर' राज्य के रूप में वर्गीकृत किया गया है। राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह ने बतलाया कि राज्य के द्वारा प्रारंभ की गयी कई विकासोन्मुख गतिविधियों के कारण कई लक्ष्यों में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। छत्तीसगढ़ राज्य को सतत् विकास लक्ष्य के गोल क्रमांक 5 लैंगिक समानता में 64 का स्कोर प्राप्त करने के कारण इसे शीर्ष राज्यों की श्रेणी में रखा गया। लक्ष्य क्रमांक 11 संपोषणीय सुरक्षित शहर में राज्य का स्कोर 49 से बढ़कर 78 हो गया, इसी प्रकार लक्ष्य क्रमांक 7 किफायती आधुनिक ऊर्जा, लक्ष्य क्रमांक 5 लैंगिक समानता, लक्ष्य क्रमांक 10 असमानता में कमी, लक्ष्य क्रमांक 2 भूखमरी समाप्त करना आदि में भी क्रमशः 22 प्वाइंट, 21 प्वाइंट, 12 प्वाइंट एवं 10 प्वाइंट का सुधार देखा गया। राज्य में लक्ष्य क्रमांक 5 लैंगिक समानता में सुधार के लिए किए गए प्रयासों के अच्छे परिणाम दिखाई दे रहे है, जिसमें लैंगिक अनुपात में सुधार, महिलाओं पर हिंसा के मामलों में कमी, प्रजातांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि, नौकरियों में महिलाओं को पर्याप्त अवसर आदि ऐसे कारण है, जिनसे इस लक्ष्य में बेहतर सुधार परिलक्षित हुआ है। इसके अलावा राज्य शासन के कई नवीन योजनायें जैसे गोधन न्याय योजना, नरवा, गरूवा, घुरवा अऊ बाड़ी, सखी वन स्टाप सेंटर, नोनी सुरक्षा योजना, नवा बिहान योजना, सक्षम योजना आदि योजनाओं का लाभ भी महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक समानता लाने में उपयोगी सिद्ध हुई है।

लघु वनोपज संग्रहण : राज्य में वर्ष 2020-21 में 3 करोड़ मानव दिवस का रोजगार

» आदिवासी-वनवासी संग्राहकों को 600 करोड़ रूपए के पारिश्रमिक का भुगतान

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में वनवासियों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसके फलस्वरूप छत्तीसगढ़ में वर्ष 2020-21 में लघु वनोपजों के संग्रहण तथा प्रसंस्करण आदि कार्यों से लोगों को 3 करोड़ मानव दिवस का रोजगार उपलब्ध हुआ है। इसमें लघु वनोपज संग्राहक आदिवासी-वनवासियों को 200 रूपए

प्रतिदिन के हिसाब से 600 करोड़ रूपए की राशि के पारिश्रमिक का वितरण किया गया है।

पारिश्रमिक में तेंदूपत्ता संग्रहण के अंतर्गत 400 करोड़ रूपए तथा तेंदूपत्ता उपचारण एवं गोदामीकरण में 40 करोड़ रूपए की राशि शामिल है। इसी तरह प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ संजय शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2020-21 के दौरान लघु वनोपज संग्रहण में 140 करोड़ रूपए तथा लघु वनोपज उपचारण एवं गोदामीकरण में 14 करोड़ रूपए की पारिश्रमिक राशि वितरित की गई है। इसके अलावा लघु वनोपज के प्राथमिक प्रसंस्करण कार्य में 2 करोड़ रूपए तथा अन्य कार्यों के अंतर्गत 4 करोड़ रूपए की पारिश्रमिक राशि का भुगतान किया गया है।

गौरतलब है कि राज्य में वर्तमान में 52 लघु वनोपजों की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। इन 52 लघु वनोपजों में साल बीज, हर्रा, ईमली बीज सहित, चिरौंजी गुठली, महुआ बीज, कुसुमी लाख, रंगीनी लाख, काल मेघ, बहेड़ा, नागरमोथा, कुल्लू गोंद, पुवाड़, बेल गुदा, शहद तथा फूल झाड़ू, महुआ फूल (सूखा) शामिल हैं। इसके अलावा जामुन बीज (सूखा), कौंच बीज, धवई फूल (सूखा), करंज बीज, बायबडिंग और आंवला (बीज सहित) तथा फूल ईमली (बीज रहित), गिलोय तथा भेलवा, वन तुलसी बीज, वन जीरा बीज, इमली बीज, बहेड़ा कचरिया, हर्रा कचरिया तथा नीम बीज शामिल हैं। इसी तरह कुसुमी बीज, रीठा फल (सूखा), शिकाकाई फल्ली (सूखा), सतावर जड़ (सूखा), काजू गुठली, मालकांगनी बीज तथा माहुल पत्ता शामिल है।

संतरागाछी-लोकमान्य तिलक टर्मिनल के मध्य 3 फेरों के लिए साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल की सुविधा

रायपुर (आरएनएस)। यात्रियो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने संतरागाछी लोकमान्य तिलक टर्मिनल संतरागाछी के मध्य 3 फेरों के लिए साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

यह गाड़ी संतरागाछी से लोकमान्य तिलक टर्मिनल के लिये प्रत्येक बुधवार दिनांक 09, 16, 23 जून को 02498 नंबर के साथ चलेगी। यह स्पेशल ट्रेन संतरागाछी से 18.00 बजे रवाना हो कर अगले दिन 04.50 बजे बिलासपुर, 06.35 बजे रायपुर, 07.30 बजे दुर्ग होते हुए रात 23.45 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनल पहुंचेगी।

इसी प्रकार यह ट्रेन लोकमान्य तिलक टर्मिनल से संतरागाछी के लिए प्रत्येक शुक्रवार दिनांक 11, 18, 25 जून को 02497 नंबर के साथ चलेगी। यह ट्रेन लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 13.15 बजे रवाना होकर अगले दिन 05.03 बजे दुर्ग , 05.43बजे रायपुर , 07.30बजे बिलासपुर होते हुए 18.35 बजे संतरागाछी पहुंचेगी। इस गाड़ी में 02 एसएलआर, 04 सामान्य तथा 16 स्लीपर सहित कुल 22 कोच रहेंगे ।

तेज रफ्तार कंटेनर वाहन की ठोकर से एक का पैर टूटा

रायपुर (आरएनएस)। आक्सीजन सिलेंडर लेकर आ रही गाड़ी रास्ते में बंद हो जाने पर धक्का मारकर चालू कर रहे थे तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कंटेनर वाहन ने ठोकर मार दिया। जिससे एक व्यक्ति का पैर टूट गया तथा दो लोगों की साइड हटने से उनकी जान बच गई। मामले की रिपोर्ट खरोरा थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार 4 जून को रात 1.30 बजे बलौदाबाजार से खाली आक्सीजन सिलेंडर लेकर आ रहा वाहन शारदा मंदिर माठ के पास बंद हो गया तब गाड़ी चालू करने के लिए गाड़ी में सवार तीन लोग धक्का मारकर चालू करने की कोशिश कर रहे थे तभी पीछे से आ रही कंटेनर वाहन क्रमांक एनएल 01 एल 7798 का चालक ने पीछे से ठोकर मारकर एक्सीडेन्ट कर दिया। जिसके चलते मोहन कन्नौजे 30 वर्ष पिता शिव कुमार कन्नौजे निवासी ग्राम गुमा खरोरा का पैर टूट गया। उपचार के लिए उसे 112 वाहन के माध्यम से अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं दो लोग एक्सीडेन्ट के समय हट गए जिसके चलते वे बच गए। घटना की शिकायत पर पुलिस ने कंटेनर चालक शमीकपूर पाण्डे 40 वर्ष पिता परमेश्वर पाण्डे के खिलाफ धारा 279,337,338 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

शिकार के लिए बिछाए तार में ग्रामीण की हुई मौत पर दो जिम्मेदार

महासमुंद (आरएनएस)। बसना के ग्राम दलदली में शिकार के लिए बिछाए करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से 4 जनू को एक ग्रामीण की मौत के जिम्मेदार दो लोगों के खिलाफ बसना पुलिस ने जुर्द कर लिया है । इसका खुलासा जांच के दौरान हुआ है । बता दें कि दोनों आरोपी शिकार के लिए करंट प्रवाहित वाली तार को गांव के डबरी के पास बिछाए थे । थाना प्रभारी ने बताया कि ग्राम दलदली में आत्माराम सिदार के डबरी के पास शिकार के लिए करंट प्रवाहित तार को बिछाए थे । 4 जून को इस तार की चपेट में आने से गांव के वीणाधर सिदार की मौत हो गई थी । इसके बाद उसके शव को अन्यत्र स्थान पर फेंक दिया था । जिसके शव का पीएम कराकर मर्ग कायम किया था । पीएम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि इसकी मौत करंट लगने से हुई है । इसके बाद जांच शुरू की गई, तो पता चला कि गांव का आनंद कुमार चौधरी पिता नंदलाल एवं एक अन्य के द्वारा बिछाया गया था ।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य साथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
● संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
● पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
● संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
● संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
● संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

गायत्री परिवार का वृक्ष गंगा अभियान प्रारंभ : वेबिनार के माध्यम से आयोजन का शुभारंभ

» एजाज ढेबर, महापौर नगर निगम रायपुर के मुख्य आतिथ्य में हुआ शुभारंभ

रायपुर (आरएनएस)। अखिल विश्व गायत्री परिवार रायपुर छत्तीसगढ़ का वृक्षारोपण अभियान 5 जून 2021 से प्रारंभ किया गया। पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में आयोजित वेबिनार में छत्तीसगढ़ में वृक्षारोपण की संभावनाएं समस्याएं एवं उनका समाधान विषय पर गायत्री परिवार के परिजन, प्रबुद्ध जनों व विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ चर्चा की गई । वेबिनार में मुख्य अतिथि एजाज ढेबर, महापौर

नगर पालिका निगम रायपुर ने पेड़ पौधों का हमारे जीवन में महत्व को विस्तार से बताते हुए प्रदेश के आम नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने एवं उन वृक्षों की देखरेख व संरक्षण करने की बात कही। गायत्री परिवार के जिला समन्वयक लच्छु राम निषाद ने बताया कि वेबीनार में मुख्य वक्ता गण में डॉ कृष्ण कुमार साहू, प्रमुख वैज्ञानिक, इंदिरा कृषि विश्व विद्यालय रायपुर, श्रीमती पुष्पा साहू हरीयाली दीदी, राष्ट्रीय नवाचारी कृषक सम्मान प्राप्त, दिलीप पाणिग्रही जी, जोन समन्वयक गायत्री परिवार छत्तीसगढ़ उपस्थित थे। डॉ कृष्ण कुमार साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ में रिक्त 20 प्रतिशत बंजर भूमि पर कैसे भूमि व जल प्रबंधन के द्वारा वैज्ञानिक तरीके से बंजर भूमि को उपजाऊ उत्पादनशील जमीन बनाते हुए वृक्षारोपण किया जा सकता है इस प्रकार के वृक्षारोपण से लोगों को रोजगार में भी सहायता मिल सकती है। उन्होंने बताया कि इस हेतु उन्होंने ऊपरवारा गांव में हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के पास खाली पड़ी हुई बंजर भूमि में 25 हेक्टेयर जमीन पर अनुसंधान कार्य भी किया और वर्तमान में वहां जो बंजर भूमि पर जो खाली और सुखी पड़ी थी आज वहां हरियाली की छटा बिखरी हुई है साथ ही यह भी बताया कि वृक्षारोपण के उपरांत भी जो खाली जमीन बच जाती है उस पर कैसे दलहन और तिलहन के बीज लगाकर स्थानीय निवासियों का रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जा सकते हैं एवं वर्तमान में शहर के अनेक स्थानों पर रिक्त भूखंडों पर वृक्षारोपण कर दिया जाए तो स्वयं के लिए एवं आने वाले पीढ़ी के लिए लाभदायक सिद्ध होगा।